वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 9 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

anasi, Friday,
ctober 2026
ाुर संस्करण
e ₹ 3.50/-
es 18

दैनिक जागरण

ww.inextlive.com Published from VARANASI • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi

inext DYNAMIC EDITION



नें मेटा से एप्पल तक... › 10
म ग्राउंड पर खेलेंगे वैभव! › 13

#MadhurReddiRescue #Kanabadi #nanapatekar

Max. 30.7°C Min. 20.0°C

कार्यक्रम स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने बनाई मानव श्रृंखला

मानसिक स्वास्थ्य के बिना अधूरा है शारीरिक स्वास्थ्य

जौनपुर (8 अक्टूबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. कार्यक्रम के प्रथम दिन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया. व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मन और शरीर का संबंध समग्र स्वास्थ्य का अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है. व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ हो सकता है, लेकिन यदि उसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य



का भी पूर्ण लाभ नहीं उठा सकता. सहायक आचार्य डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो मानसिक स्वास्थ्य की वैश्विक महत्ता को दर्शाता है. सहायक आचार्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य भी स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन का अभिन्न हिस्सा है. इस दौरान उज्मा खान सहित मौजूद रहे.

शीर्ष वैज्ञानिकों में मिला स्थान

जौनपुर (8 अक्टूबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है. इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है. उन्होंने डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के माध्यम से बीमारियों की सटीक प्रेडिक्शन (पूर्वानुमान) तकनीकें विकसित की हैं. 25 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले प्रो. पाल वर्ष 2001 से विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं. उनके अब तक 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं. उनके नाम 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन हैं, तथा उनका एच-इंडेक्स 38 एवं i10-इंडेक्स 66 है. उनके निर्देशन में 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 6 अन्य शोधार्थी वर्तमान में शोधरत हैं. वहीं, रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है.

पहल टुडे

गाजियाबाद, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

पीयू के दो शिक्षकों को विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में मिला स्थान

पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है, जब इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है। इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के माध्यम से बीमारियों की सटीक प्रेडिक्शन (पूर्वानुमान) तकनीकें विकसित की हैं। 25 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले प्रो. पाल वर्ष 2001 से विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अब तक 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके नाम 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन हैं, तथा उनका एच-इंडेक्स 38 एवं i10-इंडेक्स 66 है। उनके निर्देशन में 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 6 अन्य शोधार्थी





वर्तमान में शोधरत हैं।

वहीं, रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। पॉलीमर संश्लेषण एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में 16 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले डॉ. यादव के अब तक 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उनके नाम 3,894 से अधिक गूगल साइटेशन हैं और उनका एच-इंडेक्स 33 है। वे वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल Polymers (MDPI) के संपादक के रूप में कार्यरत हैं तथा बायोपॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स पर शोध कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में भी अपना स्थान बनाया है। डॉ. यादव को कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं। वे दक्षिण कोरिया और ताइवान में वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा वर्ष 2014 से 2017 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में कोठारी पोस्ट-डॉक्टरल फेलो भी रहे हैं।

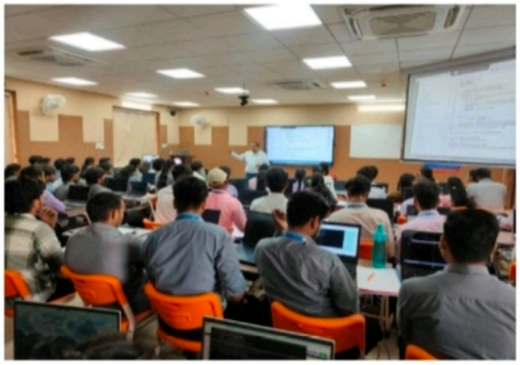
इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। इससे अन्य शिक्षकों व शोधार्थियों को भी उच्च स्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरणा मिलेगी।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरिवर मिश्र, प्रो. राजेश सिंह, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. रसिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. आशीष वर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दी।

पहल टुडे

सुरक्षित एप्लीकेशन के लिए हैश फाइल जरूरी : डॉ. अनुप गिरधर

पहल टुडे





जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय कार्यशाला सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तीसरे दिन छात्रों को वेब एप्लीकेशन और इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाने की सुरक्षित तकनीकें सिखाई गईं।

कार्यशाला आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से 05 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित हो रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को इंडस्ट्री की मांग के अनुसार तैयार करना है। कार्यशाला कुलपति प्रो. आर. के. सिंह की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है।

चौथे दिन के मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने छात्रों को डेटाबेस सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों से अवगत कराया। तकनीकी सत्र का शुभारंभ संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने अतिथि का स्वागत कर किया तथा छात्रों को लगन के साथ शोध तथा नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए कक्षा में संस्थान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को साइबर सिक्योरिटी, एआई, मशीन लर्निंग जैसी तकनीक में शोध कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

डॉ. गिरधर ने कहा कि आज हर एप्लीकेशन का आधार डेटाबेस है, और यदि डेटाबेस सुरक्षित नहीं है तो पूरी एप्लीकेशन असुरक्षित है। उन्होंने हैश फाइल के अनुप्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पासवर्ड को सीधे डेटाबेस में स्टोर करना सबसे बड़ी गलती है। पासवर्ड को हमेशा हैश फॉर्मेट में स्टोर करना चाहिए ताकि हैक होने की स्थिति में भी यूजर का डेटा सुरक्षित रहे। उन्होंने MD5, SHA-256 जैसी हैशिंग तकनीकों को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया।

इसके साथ ही उन्होंने वेब एप्लीकेशन डेवलपमेंट की पूरी प्रक्रिया समझाई। कैसे एक इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाई जाती है, उसमें यूजर ऑथेंटिकेशन कैसे सुरक्षित रखा जाता है और फ्रंट-एंड से लेकर बैक-एंड तक सुरक्षा मानकों को कैसे लागू किया जाता है, इस पर उन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

अंत में संयोजक डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया इस दौरान प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो नूपुर गोयल, प्रियंका जायसवाल सहित 90 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के लिए हैश फाइल बेहद जरूरी : डा. अनूप

जासं, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय कार्यशाला 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' के चौथे दिन छात्रों को डेटाबेस सुरक्षा की बारीकियों से रूबरू कराया गया।

आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को इंडस्ट्री की आधुनिक जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है।तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता एवं प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डा. अनुप गिरधर ने बताया कि आज के दौर में हर एप्लीकेशन का मुख्य आधार डेटाबेस है। यदि डेटाबेस सुरक्षित नहीं है तो पूरी एप्लीकेशन असुरक्षित हो जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पासवर्ड को सीधे डेटाबेस में स्टोर करना सबसे बड़ी चूक है, इसे हमेशा हैश फार्मेट में ही स्टोर करना चाहिए। इससे डेटा हैक होने की स्थिति में भी यूजर की जानकारी सुरक्षित रहती है। उन्होंने एमडी- पांच और एसएचए-256 जैसी तकनीकों का लाइव डेमो देकर छात्रों को प्रशिक्षित किया। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए छात्रों को एआई, मशीन लर्निंग और साइबर नवाचार के लिए प्रेरित किया। संयोजक डा. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. नूपुर गोयल आदि रहे।

दैनिक जागरण

मानसिक स्वास्थ्य के बिना अधूरा है शारीरिक स्वास्थ्य : प्रो. एपी सिंह

मनोविज्ञान विभाग की ओर से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम शुरू

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की ओर से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पहले दिन शिक्षकों और विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच का संदेश दिया।

विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए दोनों को समान महत्व देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं पर मन और शरीर के बीच संबंध का प्रभाव पड़ता है।सहायक आचार्य डा. अन्नू त्यागी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की वैश्विक महत्ता स्पष्ट होती है। विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं और मानसिक स्थिति को समझने के साथ समस्याओं पर खुलकर बात करनी चाहिए। आवश्यकता होने पर परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से सहयोग लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। सहायक आचार्य डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य खुशहाल और स्वस्थ जीवन का अभिन्न हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और इस विषय पर संवाद के लिए सहज वातावरण तैयार करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से तीनों दिन होने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। इस दौरान उज्मा खान, संजीव कुमार यादव, प्रीती सिंह, उमम अंसारी, शम्भूरहे।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

विषय : निविदा सूचना संख्या 17–टेंडर/उप मुख्य अभियंता/निर्माण/ वाराणसी–द्वितीय दिनांक 24.09.2026 के संबंध में प्रथम शुद्धि पत्र ।

निविदा सूचना संख्या 17–टेंडर/उप मुख्य अभियंता/निर्माण/ वाराणसी–द्वितीय, दिनांक 24.09.2026 जो दिनांक 27.09.2026 को समाचार–पत्रों में प्रकाशित की गई थी, को वर्तमान में प्रशासनिक आधार पर निरस्त किया जाता है । संख्या : 17–टेंडर/उप मुख्य अभियंता/ निर्माण/वाराणसी–द्वितीय/ प्रथम शुद्धिपत्र/दिनांक : 06.10.2026

3479/26

भाआजप्रा INLA

संदर्भ: रोजगार सूचना

आईडब्ल्यूएआई, केंद्र/राज्य सर
काम कर रहे भारतीय नागरिकों
पर भरने के लिए आवेदन आमं
प्राप्त होने की अंतिम तिथि 'रोज़
प्रारूप में आवेदन "उचित माध्य
नोएडा–201301 (U.P.) को भेजे
वर्षों की APAR आदि संलग्न क

हिंदुस्तान

दो शिक्षकों को विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में स्थान

जौनपुर, हिन्दुस्तान संवाद। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है।

इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वहीं, रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजेश ने बधाई दी।

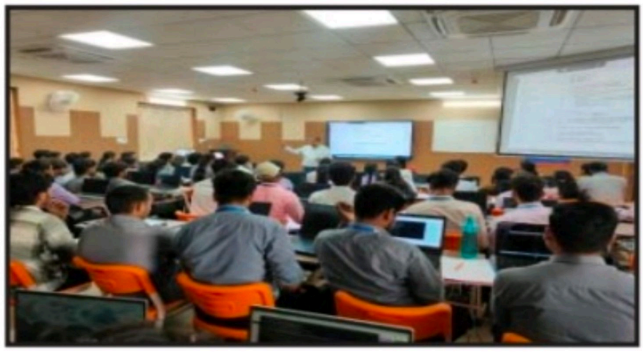


डॉ मिथिलेश यादव (बाएं और दाएं) प्रोफेसर सौरभ पाल।

प्रभात उजाला

सुरक्षित एप्लीकेशन के लिए हैश फाइल जरूरी : डॉ. अनुप गिरधर





प्रभात उजाला ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय कार्यशाला 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' के तीसरे दिन छात्रों को वेब एप्लीकेशन और इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाने की सुरक्षित तकनीकें सिखाई गईं। कार्यशाला आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से 05 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित हो रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को इंडस्ट्री की मांग के अनुसार तैयार करना है। कार्यशाला कुलपति प्रो. आर. के. सिंह की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है। चौथे दिन के मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने छात्रों को डेटाबेस सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों से अवगत कराया। तकनीकी सत्र का शुभारंभ संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने अतिथि का स्वागत कर किया तथा छात्रों को लगन के साथ शोध तथा नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए कक्षा में संस्थान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को साइबर सिक्योरिटी, एआई, मशीन लर्निंग जैसी तकनीक में शोध कार्य करने हेतु प्रेरित किया। डॉ. गिरधर ने कहा कि आज हर एप्लीकेशन का आधार डेटाबेस है, और यदि डेटाबेस सुरक्षित नहीं है तो पूरी एप्लीकेशन असुरक्षित है। उन्होंने हैश फाइल के अनुप्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पासवर्ड को सीधे डेटाबेस में स्टोर करना सबसे बड़ी गलती है। पासवर्ड को हमेशा हैश फॉर्मेट में स्टोर करना चाहिए ताकि हैक होने की स्थिति में भी यूजर का डेटा सुरक्षित रहे। उन्होंने श्36, ऐ॰256 जैसी हैशिंग तकनीकों को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया। इसके साथ ही उन्होंने वेब एप्लीकेशन डेवलपमेंट की पूरी प्रक्रिया समझाई। कैसे एक इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाई जाती है, उसमें यूजर ऑथेंटिकेशन कैसे सुरक्षित रखा जाता है और फ्रंट-एंड से लेकर बैक-एंड तक सुरक्षा मानकों को कैसे लागू किया जाता है, इस पर उन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। अंत में संयोजक डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया इस दौरान प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो नूपुर गोयल, प्रियंका जायसवाल सहित 90 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

पीयू के दो शिक्षक विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल

प्रो. सौरभ पाल और डॉ. मिथलेश यादव को अंतरराष्ट्रीय शोध उपलब्धियों के लिए मिली जगह

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ.मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला है।

प्रो.सौरभ पाल डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के क्षेत्र में शोध कर रहे हैं। उनके 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

उनके शोध कार्यों को 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन मिले हैं। उनका एच-इंडेक्स 38 और आई10-इंडेक्स 66 है। वहीं, डॉ.मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस सूची में स्थान मिला है। पॉलीमर संश्लेषण एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में शोधरत डॉ.यादव के 80 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हैं और उनके शोध को 3,894 से अधिक साइटेशन मिल चुके हैं।





उनका एच-इंडेक्स 33 है। वे बायोपॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स पर शोध कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के अनुसार, यह सूची शोध गुणवत्ता, साइटेशन और अन्य वैज्ञानिक मानकों के आधार पर तैयार की जाती है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों शिक्षकों को बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरव की उपलब्धि बताया।

सुरक्षित एप्लीकेशन के लिए पासवर्ड हैश फॉर्मेट में रखें : डॉ.अनुप गिरधर

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कार्यशाला में छात्रों को डेटाबेस और वेब सुरक्षा का प्रशिक्षण



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' कार्यशाला में छात्रों को वेब एप्लीकेशन और डेटाबेस को सुरक्षित रखने की तकनीकों की जानकारी दी गई।

कार्यशाला पांच से 10अक्टूबर तक आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से आयोजित की जा रही है। तकनीकी सत्र में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने डेटाबेस सुरक्षा पर चर्चा करते हुए कहा कि एप्लीकेशन की सुरक्षा उसके डेटाबेस की सुरक्षा से जुड़ी होती है। उन्होंने पासवर्ड को सीधे डेटाबेस में स्टोर करने के बजाय हैश फॉर्मेट में रखने की सलाह दी। स्ख्ड5 और स्ख्-256 जैसी हैशिंग तकनीकों का लाइव डेमो भी दिया गया। डॉ.गिरधर ने इंटरैक्टिव वेबसाइट तैयार करने, यूजर ऑथेंटिकेशन सुरक्षित रखने तथा फ्रंट-एंड से बैक-एंड तक सुरक्षा मानकों को लागू करने की व्यावहारिक जानकारी दी। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को साइबर सिक्योरिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में शोध के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने किया। इस दौरान प्रो.अशोक श्रीवास्तव, प्रो.गिरिधर मिश्र, प्रो.नूपुर गोयल, प्रियंका जायसवाल सहित 90 से अधिक प्रतिभागी मौजूद रहे।

उत्तर शक्ति

उत्तरशक्ति

जौनपुर/वाराणसी/आजमगढ़/सोनभद्र

पीयू के दो शिक्षकों को विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में मिला स्थान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है, जब इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है।

इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के माध्यम से बीमारियों की सटीक प्रेडिक्शन (पूर्वानुमान) तकनीकें विकसित की हैं। 25 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले प्रो. पाल वर्ष 2001 से विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अब तक 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके नाम 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन हैं, तथा



उनका एच-इंडेक्स 38 एवं i10-इंडेक्स 66 है। उनके निर्देशन में 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 6 अन्य शोधार्थी वर्तमान में शोधरत हैं।

वहीं, रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। पॉलीमर संश्लेषण एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में 16 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले डॉ. यादव के अब तक 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।



उनके नाम 3,894 से अधिक गूगल साइटेशन हैं और उनका एच-इंडेक्स 33 है। वे वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल Polymers (MDPI) के संपादक के रूप में कार्यरत हैं तथा बायोपॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स पर शोध कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग संस्था 'स्कॉलरली इंडेक्स' की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में भी अपना स्थान बनाया है। डॉ. यादव को कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं। वे दक्षिण कोरिया और ताइवान में वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा वर्ष 2014 से 2017 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में कोठारी पोस्ट-डॉक्टरल फेलो भी रहे हैं।

इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। इससे अन्य शिक्षकों व शोधार्थियों को भी उच्च स्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरणा मिलेगी।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरिवर मिश्र, प्रो. राजेश सिंह, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. रसिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. आशीष वर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दी।

सुरक्षित एप्लीकेशन के लिए हैश फाइल जरूरी: डॉ .अनुप गिरधर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय कार्यशाला ह्यसिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंटह्ल के तीसरे दिन छात्रों को वेब एप्लीकेशन और इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाने की सुरक्षित तकनीकें सिखाई गईं।

कार्यशाला आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से 05 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित हो रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को इंडस्ट्री की मांग के अनुसार तैयार करना है। कार्यशाला कुलपति प्रो. आर. के. सिंह की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है।



चौथे दिन के मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने छात्रों को डेटाबेस सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों से अवगत कराया। तकनीकी सत्र का शुभारंभ संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने अतिथि का स्वागत कर किया तथा छात्रों को लगन के साथ शोध तथा नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए कक्षा में संस्थान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को साइबर सिक्योरिटी, एआई, मशीन लर्निंग जैसी तकनीक में शोध कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

डॉ.गिरधर ने कहा कि आज हर एप्लीकेशन का आधार डेटाबेस है, और यदि डेटाबेस सुरक्षित नहीं है तो पूरी एप्लीकेशन असुरक्षित है। उन्होंने हैश फाइल के अनुप्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पासवर्ड को सीधे डेटाबेस में स्टोर करना सबसे बड़ी गलती है। पासवर्ड को हमेशा हैश फॉर्मेट में स्टोर करना चाहिए ताकि हैक होने की स्थिति में भी यूजर का डेटा सुरक्षित रहे। उन्होंने MD5, SHA-256 जैसी हैशिंग तकनीकों को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया।

इसके साथ ही उन्होंने वेब एप्लीकेशन डेवलपमेंट की पूरी प्रक्रिया समझाई। कैसे एक इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाई जाती है, उसमें यूजर ऑथेंटिकेशन कैसे सुरक्षित रखा जाता है और फ्रंट-एंड से लेकर बैक-एंड तक सुरक्षा मानकों को कैसे लागू किया जाता है, इस पर उन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

अंत में संयोजक डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया इस दौरान प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो नूपुर गोयल, प्रियंका जायसवाल सहित 90 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के द
वितरण से सेवा सप्ताह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित दंत परीक्षण एवं दवा वितरण कार्यक्रम विशेष रूप से सराहनीय रहा।

कार्यक्रम संयोजक लायन डॉ. दिलीप विश्वकर्मा के सानिध्य में दिव्यांग बच्चों एवं विद्यालय स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान 74 दिव्यांग बच्चों एवं 15 विद्यालय स्टाफ सदस्यों का दंत परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय परीक्षण के साथ बच्चों को दांतों की नियमित सफाई, मौखिक स्वच्छता तथा दांतों से संबंधित समस्याओं से

रणतुर्य

सुरक्षित एप्लीकेशन के लिए हैश फाइल जरूरी : डॉ. अनुप गिरधर

रणतूर्य संवाददाता जौनपुर



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय कार्यशाला सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तीसरे दिन छात्रों को वेब एप्लीकेशन और इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाने की सुरक्षित तकनीकें सिखाई गईं। कार्यशाला आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से 05 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित हो रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को इंडस्ट्री की मांग के अनुसार तैयार करना है। कार्यशाला कुलपति प्रो. आर. के. सिंह की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है। चौथे दिन के मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने छात्रों को डेटाबेस सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों से अवगत कराया। तकनीकी सत्र का शुभारंभ संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने अतिथि का स्वागत कर किया तथा छात्रों को लगन के साथ शोध तथा नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए कक्षा में संस्थान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को साइबर सिक्योरिटी, एआई, मशीन लर्निंग जैसी तकनीक में शोध कार्य करने हेतु प्रेरित किया। डॉ. गिरधर ने कहा कि आज हर एप्लीकेशन का आधार डेटाबेस है, और यदि डेटाबेस सुरक्षित नहीं है तो पूरी एप्लीकेशन असुरक्षित है। उन्होंने हैश फाइल के अनुप्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पासवर्ड को सीधे डेटाबेस में स्टोर करना सबसे बड़ी गलती है। पासवर्ड को हमेशा हैश फॉर्मेट में स्टोर करना चाहिए ताकि हैक होने की स्थिति में भी यूजर का डेटा सुरक्षित रहे। उन्होंने MD5, SHA-256 जैसी हैशिंग तकनीकों को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया। इसके साथ ही उन्होंने वेब एप्लीकेशन डेवलपमेंट की पूरी प्रक्रिया समझाई। कैसे एक इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाई जाती है, उसमें यूजर ऑथेंटिकेशन कैसे सुरक्षित रखा जाता है और फ्रंट-एंड से लेकर बैक-एंड तक सुरक्षा मानकों को कैसे लागू किया जाता है, इस पर उन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। अंत में संयोजक डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया इस दौरान प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो नूपुर गोयल, प्रियंका जायसवाल सहित 90 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

आइडियल इंडिया

पीयू के दो शिक्षकों को विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में मिला स्थान





आइडियल इंडिया न्यूज, डा राजेश जैन, जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है, जब इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है। इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के माध्यम से बीमारियों की सटीक प्रेडिक्शन (पूर्वानुमान) तकनीकें विकसित की हैं। 25 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले प्रो. पाल वर्ष 2001 से विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अब तक 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके नाम 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन हैं, तथा उनका एच-इंडेक्स 38 एवं i10-इंडेक्स 66 है। उनके निर्देशन में 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 6 अन्य शोधार्थी वर्तमान में शोधरत हैं। वहीं, रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। पॉलीमर संश्लेषण एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में 16 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले डॉ. यादव के अब तक 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उनके नाम 3,894 से अधिक गूगल साइटेशन हैं और उनका एच-इंडेक्स 33 है। वे वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल द्ब्ब्'टी१२ (टडडक) के संपादक के रूप में कार्यरत हैं तथा बायोपॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स पर शोध कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग संस्था स्कॉलरली इंडेक्स की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में भी अपना स्थान बनाया है। डॉ. यादव को कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं। वे दक्षिण कोरिया और ताइवान में वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा वर्ष 2014 से 2017 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में कोठारी पोस्ट-डॉक्टरल फेलो भी रहे हैं। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। इससे अन्य शिक्षकों व शोधार्थियों को भी उच्च स्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरणा मिलेगी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरिवर मिश्र, प्रो. राजेश सिंह, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. रसिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. आशीष वर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दी।

उम्मीद आफ पब्लिक

उम्मीद ऑफ पब्लिक (हिन्दी दैनिक) उत्तर-प्रदेश

मानसिक स्वास्थ्य के बिना अधूरा है शारीरिक स्वास्थ्य: प्रो. अजय

जागरूकता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने बनायी मानव श्रृंखला

तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

उम्मीद ऑफ पब्लिक सं.

सराय ख्वाजा, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अन्तर्गत आयोजित तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।



व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मन और शरीर का संबंध समग्र स्वास्थ्य का अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ हो सकता है लेकिन यदि उसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य का भी पूर्ण लाभ नहीं उठा सकता। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं तथा दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। अनेक शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं पर माइंड-बॉडी रिलेशन का प्रभाव पड़ता है। इसलिए स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य को भी शारीरिक स्वास्थ्य के समान महत्व दिया जाना आवश्यक है।

सहायक आचार्य डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है जो मानसिक स्वास्थ्य की वैश्विक महत्ता को दर्शाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं और मानसिक स्थिति को समझने, अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करने तथा आवश्यकता पड़ने पर परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से सहयोग लेने के लिए प्रेरित किया। इस वर्ष की थीम 'जीवन के अनुभवों को सुना जाए: वास्तविक आवाज, वास्तविक बदलाव' को केंद्र में रखते हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सहायक आचार्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य भी स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उज्मा खान, संजीव यादव, प्रीती सिंह, उमम अंसारी, शम्भू नाथ, संतोष, पंकज सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

पीयू के दो शिक्षकों को विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में मिला स्थान

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है, जब इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है। इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के माध्यम से बीमारियों की सटीक प्रेडिक्शन (पूर्वानुमान) तकनीकें विकसित की हैं। 25 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले प्रो. पाल वर्ष



प्रो. सौरभ पाल



डा. मिथिलेश यादव

2001 से विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अब तक 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके नाम 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन हैं, तथा उनका एच-इंडेक्स 38 एवं 10-इंडेक्स 66 है। उनके निर्देशन में 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 6 अन्य शोधार्थी वर्तमान में शोधरत हैं। वहीं, रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। पॉलीमर संश्लेषण एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में 16 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले डॉ. यादव के अब तक 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उनके नाम 3,894 से अधिक गूगल साइटेशन हैं और उनका एच-इंडेक्स 33 है। वे वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादक के रूप में कार्यरत हैं तथा बायोपॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स पर शोध कर रहे हैं। डॉ. यादव को कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं। वे दक्षिण कोरिया और ताइवान में वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा वर्ष 2014 से 2017 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में कोठारी पोस्ट-डॉक्टरल फेलो भी रहे हैं। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरिवर मिश्र, प्रो. राजेश सिंह, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. रसिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. आशीष वर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दी।

शिकायत पर जिलाधिकारी ने एसडीएम न्यायिक को हटाया

मछलीशहर। बुधवार को तहसील में औचक निरीक्षण पर आए जिला अधिकारी सैमुअल पॉल एन. से अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी न्यायिक ज्योत्सना सिंह की शिकायत की थी जिसे डीएम ने संज्ञान में लेते हुए वापस लौटते ही उन्हें कार्य मुक्त कर दिया। जौनपुर में नियुक्त अतिरिक्त उप जिलाधिकारी प्रथम नवीन कुमार को मछलीशहर की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी उप जिलाधिकारी न्यायिक के बतौर दी गई है। फिलहाल वह दोनों स्थानों पर अपनी सेवाएं देते हुए मुंगरा बादशाहपुर के रिटर्निंग ऑफिसर की भी जिम्मेदारी संभालेंगे।

जनसंदेश टाइम्स

मानसिक स्वास्थ्य के बिना स्वास्थ्य अधूरा है : प्रो. अजय प्रताप सिंह

तीन दिवसीय

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने बनाई मानव शृंखला

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मन और शरीर का संबंध समग्र स्वास्थ्य का अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ हो सकता है, लेकिन यदि उसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य का भी पूर्ण लाभ नहीं उठा सकता। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं तथा दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि अनेक शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं पर माइंड-बॉडी रिलेशन का प्रभाव पड़ता है। इसलिए स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य को भी शारीरिक स्वास्थ्य के समान महत्व दिया जाना आवश्यक है। सहायक आचार्य डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो मानसिक स्वास्थ्य की वैश्विक महत्ता को दर्शाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं और मानसिक स्थिति को समझने, अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करने तथा आवश्यकता पड़ने पर परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से सहयोग लेने के लिए प्रेरित किया। सहायक आचार्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य भी स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कार्यक्रम में उज्मा खान, संजीव कुमार यादव, प्रीती सिंह, उमम अंसारी, शम्भू नाथ, संतोष, पंकज सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तेजस टुडे सं.

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों को विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में मिला स्थान

स्थान

तेजस टूडे सं.
विरेन्द्र यादव





सरायख्वाजा, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है जब इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है। इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के माध्यम से बीमारियों की सटीक प्रेडिक्शन (पूर्वानुमान) तकनीकें विकसित की हैं। 25 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले प्रो. पाल वर्ष 2001 से विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अब तक 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके नाम 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन हैं तथा उनका एच-इंडेक्स 38 एवं i10-इंडेक्स 66 है। उनके निर्देशन में 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं जबकि 6 अन्य शोधार्थी वर्तमान में शोधरत हैं। वहीं रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। पॉलीमर संश्लेषण एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में 16 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले डॉ. यादव के अब तक 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उनके नाम 3,894 से अधिक गूगल साइटेशन हैं और उनका एच-इंडेक्स 33 है। वे वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ढङ्घ' टॅी१२ (टउढक) के संपादक के रूप में कार्यरत हैं तथा बायोपॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स पर शोध कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग संस्था ह्यस्कॉलरली इंडेक्सह्व की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में भी अपना स्थान बनाया है। डॉ. यादव को कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं। वे दक्षिण कोरिया और ताइवान में वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा वर्ष 2014 से 2017 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली में कोठारी पोस्ट-डॉक्टरल फेलो भी रहे हैं।

इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने दोनों शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। इससे अन्य शिक्षकों व शोधार्थियों को भी उच्च स्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरणा मिलेगी। साथ ही कुलसचिव विनोद सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरिवर मिश्र, प्रो. राजेश सिंह, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. रसिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. आशीष वर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दिया।

तेजस टुडे सं.

मानसिक स्वास्थ्य के बिना अधूरा है शारीरिक स्वास्थ्य: प्रो. अजय

तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

शुभारम्भ

जागरूकता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने बनायी मानव श्रृंखला

तेजस टूडे सं.

विरेन्द्र यादव



सरायख्वाजा, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अन्तर्गत आयोजित तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मन और शरीर का संबंध समग्र स्वास्थ्य का अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ हो सकता है लेकिन यदि उसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य का भी पूर्ण लाभ नहीं उठा सकता। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं तथा दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। अनेक शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं पर माइंड-बॉडी रिलेशन का प्रभाव पड़ता है। इसलिए स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य को भी शारीरिक स्वास्थ्य के समान महत्व दिया जाना आवश्यक है। सहायक आचार्य डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है जो मानसिक स्वास्थ्य की वैश्विक महत्ता को दशार्ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं और मानसिक स्थिति को समझने, अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करने तथा आवश्यकता पड़ने पर परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से सहयोग लेने के लिए प्रेरित किया। इस वर्ष की थीम ह्लजीवन के अनुभवों को सुना जाए: वास्तविक आवाज, वास्तविक बदलावह्व को केंद्र में रखते हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सहायक आचार्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य भी स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उज्मा खान, संजीव यादव, प्रीती सिंह, उमम अंसारी, शम्भू नाथ, संतोष, पंकज सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

पीयू के दो शिक्षकों को विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में मिला स्थान

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है, जब इंजीनियरिंग के डीन प्रो. सौरभ पाल और रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत प्रभावशाली वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तथा एल्सवेयर द्वारा जारी यह अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग शोध गुणवत्ता, एच-इंडेक्स, साइटेशन और सह-लेखकों की संख्या जैसे कड़े वैज्ञानिक मानकों पर आधारित होती है।

इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर प्रो. सौरभ पाल ने अनुसंधान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने डेटा माइनिंग, मशीन लर्निंग और हेल्थकेयर एनालिसिस के माध्यम से बीमारियों की सटीक प्रेडिक्शन (पूर्वानुमान) तकनीकें विकसित की हैं। 25 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले प्रो. पाल वर्ष 2001 से विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अब तक 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र और 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके नाम 6,826 से अधिक गूगल साइटेशन हैं, तथा उनका एच-इंडेक्स 38 एवं i10-इंडेक्स 66 है।

उनके निर्देशन में 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 6 अन्य शोधार्थी वर्तमान में शोधरत हैं। वहीं, रज्जू भैया संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. मिथलेश यादव को लगातार छठी बार इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। पॉलीमर संश्लेषण एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में 16 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव रखने वाले डॉ. यादव के अब तक 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

उनके नाम 3,894 से अधिक गूगल साइटेशन हैं और उनका एच-इंडेक्स 33 है। वे वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय जर्नल Polymers (MDPI) के संपादक के रूप में कार्यरत हैं तथा बायोपॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स पर शोध कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग संस्था 'स्कॉलरली इंडेक्स' की प्रतिष्ठित टॉप-1000 स्कॉलर रैंकिंग में भी अपना स्थान बनाया है। डॉ. यादव को कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं।

वे दक्षिण कोरिया और ताइवान में वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा वर्ष 2014 से 2017 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में कोठारी पोस्ट-डॉक्टरल फेलो भी रहे हैं।

इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

इससे अन्य शिक्षकों व शोधार्थियों को भी उच्च स्तरीय अनुसंधान के लिए प्रेरणा मिलेगी।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. गिरिवर मिश्र, प्रो. राजेश सिंह, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. रसिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. आशीष वर्मा सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
कौटिल्य का भारत

मानसिक स्वास्थ्य के बिना अधूरा है शारीरिक स्वास्थ्यः प्रो. अजय प्रताप सिंह

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने बनाई मानव श्रृंखला

कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मन और शरीर का संबंध समग्र स्वास्थ्य का अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ हो सकता है, लेकिन यदि उसका



मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य का भी पूर्ण लाभ नहीं उठा सकता। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं तथा दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि अनेक शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं पर माइंड-बॉडी रिलेशन का प्रभाव पड़ता है। इसलिए स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य को भी शारीरिक स्वास्थ्य के समान महत्व दिया जाना आवश्यक है। सहायक आचार्य डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो मानसिक स्वास्थ्य की वैश्विक महत्ता को दर्शाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं और मानसिक स्थिति को समझने, अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करने तथा आवश्यकता पड़ने पर परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से सहयोग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम "जीवन के अनुभवों को सुना जाए: वास्तविक आवाज़, वास्तविक बदलाव" को केंद्र में रखते हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सहायक आचार्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य भी स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उज्मा खान, संजीव कुमार यादव, प्रीती सिंह, उमम अंसारी, शम्भू नाथ, संतोष, पंकज सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

सुरक्षित एप्लीकेशन के लिए हैश फाइल जरूरी : डॉ. अनुप गिरधर

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय कार्यशाला 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' के तीसरे दिन छात्रों को वेब एप्लीकेशन और इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाने की सुरक्षित तकनीकें सिखाई गईं। कार्यशाला आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से 05 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित हो रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को इंडस्ट्री की मांग के अनुसार तैयार करना है। कार्यशाला कुलपति प्रो. आर. के. सिंह की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है। चौथे दिन के मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने छात्रों को डेटाबेस सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों से अवगत कराया। तकनीकी सत्र का शुभारंभ संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने अतिथि का स्वागत कर किया तथा छात्रों को लगन के साथ शोध तथा नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए कक्षा में संस्थान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को साइबर सिक्योरिटी, एआई, मशीन लर्निंग जैसी तकनीक में शोध कार्य करने हेतु प्रेरित किया। डॉ. गिरधर ने कहा कि आज हर एप्लीकेशन का आधार डेटाबेस है, और यदि डेटाबेस सुरक्षित नहीं है तो पूरी एप्लीकेशन असुरक्षित है। उन्होंने हैश फाइल के अनुप्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पासवर्ड को सीधे डेटाबेस में स्टोर करना सबसे बड़ी गलती है। पासवर्ड को हमेशा हैश फॉर्मेट में स्टोर करना चाहिए ताकि हैक होने की स्थिति में भी यूजर का डेटा सुरक्षित रहे। उन्होंने MD5, SHA-256 जैसी हैशिंग तकनीकों को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया।

इसके साथ ही उन्होंने वेब एप्लीकेशन डेवलपमेंट की पूरी प्रक्रिया समझाई। कैसे एक इंटरैक्टिव वेबसाइट बनाई जाती है, उसमें यूजर ऑथेंटिकेशन कैसे सुरक्षित रखा जाता है और फ्रंट-एंड से लेकर बैक-एंड तक सुरक्षा मानकों को कैसे लागू किया जाता है, इस पर उन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। अंत में संयोजक डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया इस दौरान प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो नूपुर गोयल, प्रियंका जायसवाल सहित 90 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शिराज ए हिंद

शिराज-ए-हिन्द

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI UPHIN/2014/60630

खबरो से समझौता नहीं

शुक्रवार
09/10/2026
जौनपुर, उत्तर प्रदेश

पृष्ठ 10

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य का संदेश, शिक्षकों-विद्यार्थियों ने बनाई मानव श्रृंखला

तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आगाज, भावनाओं को समझने और जरूरत पर मदद लेने के लिए किया प्रेरित



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गुरुवार दोपहर 12 बजे तीन दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान मन और शरीर के बीच गहरे संबंध पर विशेष जोर दिया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। शारीरिक स्वास्थ्य के बिना मानसिक स्वास्थ्य अधूरा है, वहीं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

सहायक आचार्य डॉ. अन्नू त्यागी ने विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं को समझने और मानसिक परेशानी होने पर संकोच किए बिना मदद लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इस दिवस को मान्यता दी गई है। इस वर्ष की थीम 'जीवन के अनुभवों को सुना जाए: वास्तविक आवाज, दास्तविक बदलाव' रखी गई है।

वहीं सहायक आचार्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना और आवश्यकता पड़ने पर समय रहते मदद लेने के लिए उन्हें प्रेरित करना है।

मानव श्रृंखला के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों ने समाज में यह संदेश देने का प्रयास किया कि मानसिक स्वास्थ्य पर बात करना कमजोरी नहीं, बल्कि जागरूकता और सकारात्मक बदलाव की दिशा में जरूरी कदम है।

रिपोर्ट - प्रियेश गुप्ता रूद्र



> शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। शारीरिक स्वास्थ्य के बिना मानसिक स्वास्थ्य अधूरा है, वहीं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।
>
> **- प्रो. अजय प्रताप सिंह**
> विभागाध्यक्ष
> व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग



> अपनी भावनाओं को समझें और मानसिक परेशानी होने पर संकोच किए बिना मदद लें। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इस दिवस को मान्यता दी गई है। इस वर्ष की थीम 'जीवन के अनुभवों को सुना जाए: वास्तविक आवाज, वास्तविक बदलाव' है।
>
> **- डॉ. अन्नू त्यागी**
> सहायक आचार्य



> स्वस्थ जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना और आवश्यकता पड़ने पर समय रहते मदद लेने के लिए प्रेरित करना है।
>
> **- डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव**
> सहायक आचार्य

कार्यक्रम की मुख्य बातें

- व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की ओर से तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम
- मुक्तांगन में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने बनाई मानव श्रृंखला
- मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का संदेश
- भावनाओं को समझने और जरूरत पर मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया

10:39 PM